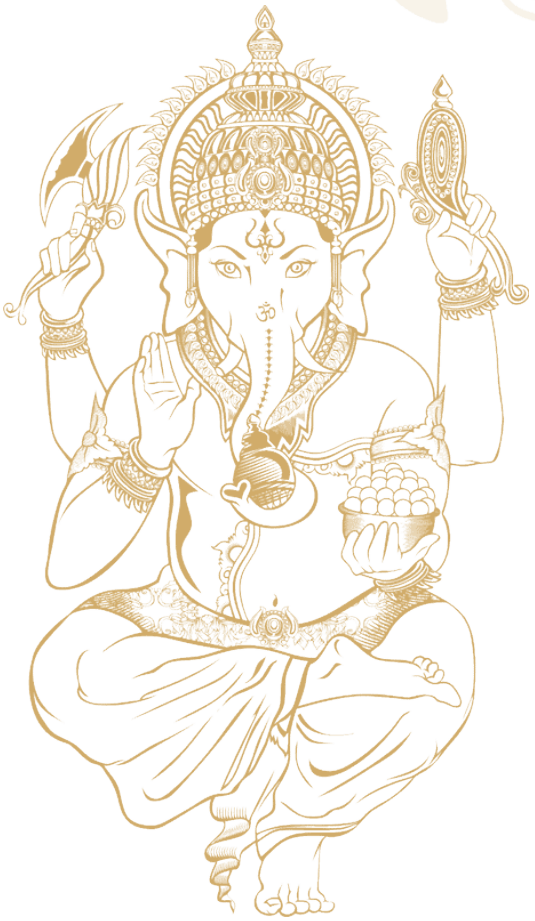

Akash

09 May 1992

11:58 AM

Itwa

Model: web-freekundliweb

Order No: 121561803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/05/1992**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:58:00 घंटे**
इष्ट	16:48:21 घटी
स्थान	**Itwa**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:20:00 उत्तर
रेखांश	82:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:58:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:35 घंटे
साम्पातिक काल	03:08:05 घंटे
सूर्योदय	05:14:39 घंटे
सूर्यास्त	18:37:02 घंटे
दिनमान	13:22:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	25:07:47 मेष
लग्न के अंश	28:23:01 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:23:01	312:32:52	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मेष	25:07:47	00:58:00	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	20:02:06	14:10:29	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	स्वराशि
मंगल			मीन	08:49:41	00:45:56	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मेष	03:09:45	01:35:12	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
गुरु			सिंह	10:59:13	00:01:33	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मेष	15:36:57	01:13:47	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
शनि			मक	24:25:49	00:01:53	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु			धनु	07:43:40	00:00:24	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	नीच राशि
केतु			मिथु	07:43:40	00:00:24	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	24:08:13	00:00:51	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप	व		धनु	25:06:29	00:00:36	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	27:53:42	00:01:40	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	25:43:15	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:17

लग्न-चलित

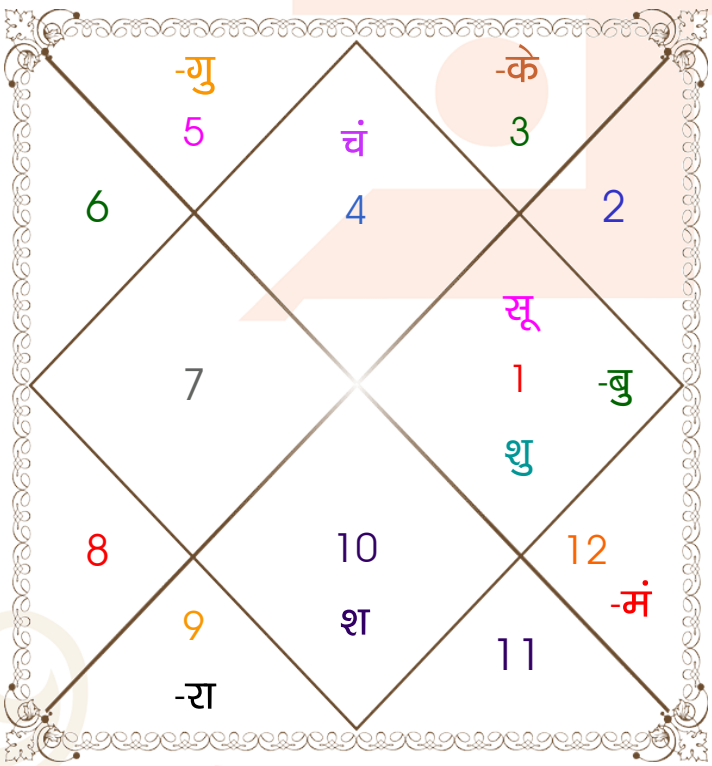

चन्द्र कुंडली

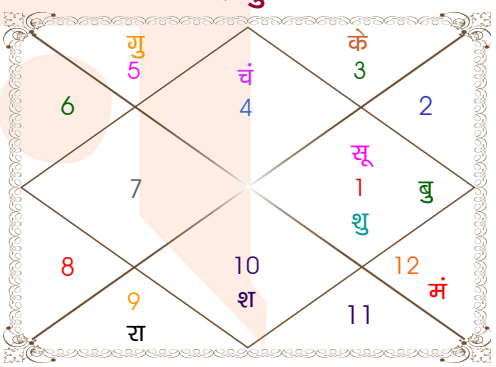

नवमांश कुंडली

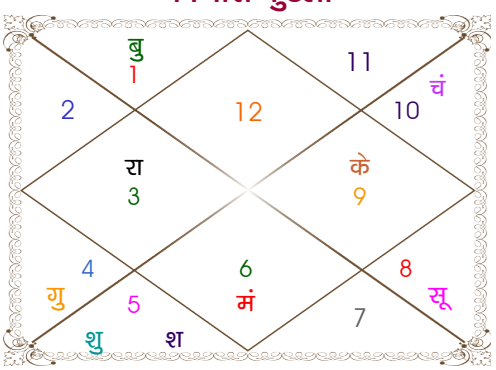

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 8 मास 14 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
09/05/1992		22/01/2005		22/01/2012		22/01/2032		22/01/2038	
22/01/2005		22/01/2012		22/01/2032		22/01/2038		22/01/2048	
	00/00/0000	केतु	20/06/2005	शुक्र	24/05/2015	सूर्य	11/05/2032	चंद्र	22/11/2038
	09/05/1992	शुक्र	20/08/2006	सूर्य	23/05/2016	चंद्र	10/11/2032	मंगल	23/06/2039
शुक्र	17/04/1994	सूर्य	26/12/2006	चंद्र	22/01/2018	मंगल	17/03/2033	राहु	22/12/2040
सूर्य	22/02/1995	चंद्र	27/07/2007	मंगल	24/03/2019	राहु	09/02/2034	गुरु	23/04/2042
चंद्र	23/07/1996	मंगल	23/12/2007	राहु	24/03/2022	गुरु	28/11/2034	शनि	23/11/2043
मंगल	20/07/1997	राहु	09/01/2009	गुरु	22/11/2024	शनि	10/11/2035	बुध	23/04/2045
राहु	07/02/2000	गुरु	16/12/2009	शनि	22/01/2028	बुध	16/09/2036	केतु	22/11/2045
गुरु	15/05/2002	शनि	25/01/2011	बुध	22/11/2030	केतु	22/01/2037	शुक्र	24/07/2047
शनि	22/01/2005	बुध	22/01/2012	केतु	22/01/2032	शुक्र	22/01/2038	सूर्य	22/01/2048

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/01/2048		22/01/2055		22/01/2073		22/01/2089		23/01/2108	
22/01/2055		22/01/2073		22/01/2089		23/01/2108		00/00/0000	
मंगल	20/06/2048	राहु	04/10/2057	गुरु	12/03/2075	शनि	25/01/2092	बुध	21/06/2110
राहु	08/07/2049	गुरु	28/02/2060	शनि	22/09/2077	बुध	05/10/2094	केतु	18/06/2111
गुरु	14/06/2050	शनि	04/01/2063	बुध	29/12/2079	केतु	13/11/2095	शुक्र	10/05/2112
शनि	24/07/2051	बुध	23/07/2065	केतु	04/12/2080	शुक्र	13/01/2099		00/00/0000
बुध	20/07/2052	केतु	11/08/2066	शुक्र	05/08/2083	सूर्य	26/12/2099		00/00/0000
केतु	16/12/2052	शुक्र	11/08/2069	सूर्य	23/05/2084	चंद्र	27/07/2101		00/00/0000
शुक्र	15/02/2054	सूर्य	05/07/2070	चंद्र	22/09/2085	मंगल	05/09/2102		00/00/0000
सूर्य	23/06/2054	चंद्र	04/01/2072	मंगल	29/08/2086	राहु	12/07/2105		00/00/0000
चंद्र	22/01/2055	मंगल	22/01/2073	राहु	22/01/2089	गुरु	23/01/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 8 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।